

प्रेषक,

अतर सिंह  
संयुक्त सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,  
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-5

देहरादून:

दिनांक: 12 जनवरी 2017

विषय-वित्तीय वर्ष 2016-17 में अनुदान संख्या-12- लेखाशीर्षक-2210- चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य आयोजनागत के अन्तर्गत प्रथम अनुपूरक मांग के माध्यम से प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष धनराशि के सापेक्ष धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-5प/1/25/2016-17/27414, दिनांक 29 दिसम्बर 2016 के क्रम में वित्तीय वर्ष 2016-17 में चिकित्सा चयन बोर्ड के कार्यों के सुचारु संचालन हेतु अनुदान संख्या-12 लेखाशीर्षक-2210-01-110-03-एलोपैथिक एकीकृत चिकित्सालय और औषधालय-आयोजनागत के अन्तर्गत विभिन्न मानक मदों में प्रथम अनुपूरक के माध्यम से चिकित्सा चयन बोर्ड हेतु प्राविधानित रु० 78,65,000/- एवं संख्या-12 लेखाशीर्षक-2210-06-101-12- खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के अन्तर्गत अपील य अधिकरण की स्थापना हेतु प्राविधानित धनराशि रु० 11,00,000/- अर्थात् कुल अर्थात् कुल रु० 89,65,000/- (रु० नवासी लाख पैंसठ हजार मात्र) अवमुक्त किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय उसी मद में किया जायेगा, जिसके लिये यह स्वीकृति दी जा रही है। बजट नियन्त्रक अधिकारी द्वारा वास्तविकता/व्यय का आंकलन करते हुए एवं यथास्थिति मूल बजट के धनराशि कम पड़ने की दशा में ही इन मदों की धनराशियां आहरण-वितरण अधिकारियों के निर्वर्तन में शासनादेश दिनांक 01.04.2015 में इंगित प्रतिबन्धों के अन्तर्गत रखी जायें।
2. व्यय करने के पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
3. किसी भी शासकीय व्यय हेतु Procurement Rules, 2008 वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-पांच भाग-1 (लेखा नियम), आय व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) व वित्त विभाग-1 के सुसंगत शासनादेशों का कड़ाई से पालन किया जाय।
4. यह उल्लेखनीय है कि व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
5. अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-400/XXVIII(1)/2015 दिनांक 01.04.2015 में निहित निर्देशों का अनुपालन करते हुये सुनिश्चित किया जायेगा।

6. अवमुक्त की जा रही धनराशि का पूर्ण उपयोग दिनांक 31.03.2017 तक कर लिया जाय, यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है, तो उसे नियमानुसार शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।
7. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-12 लेखाशीर्षक-2210-01-110-03 एलोपैथिक एकीकृत चिकित्सालय और औषधालय-आयोजनागत एवं 2210-06-101-12- खाद्य सुरक्षानक अधिकरण के अन्तर्गत अपीलीय अधिकरण की स्थापना के अन्तर्गत संलग्न अलॉटमेंट आई0डी0 में वर्णित लेखाशीर्षकों की प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग, के अशासकीय संख्या-299(P)/XXVII (3)/2016-17 दिनांक 16 जनवरी 2017 के अनुपालन में जारी किया जा रहा है।

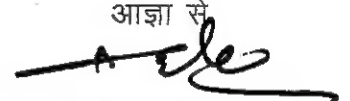
**संलग्न : ऑन लाईन एलॉटमेंट आई.डी. S1701120162**

भवदीय,  
(अतर सिंह)  
संयुक्त सचिव

**संख्या- 60 (1)/XXVIII-5-2017-79/2016 तददिनांक**

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबरोय बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
2. निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड देहरादून।
3. समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
5. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनु0-3/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0।
6. चिकित्सा अनुभाग-4
7. गार्ड फाईल।

आज्ञा से  
  
(अतर सिंह)  
संयुक्त सचिव